पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से मिले भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी

प्रदेश को पर्यटन के नक्शे पर विशिष्ट पहचान दिलाने की आवश्यकता है - राज्यपाल

प्रदेश में शिक्षा, ऊर्जा, अवस्थापना विकास, चिकित्सा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं हैं - श्री नाईक

लखनऊ: 27 जून, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज राजभवन में भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी श्री विनोद कुमार राजदूत उजबेक्सितान, श्री अखिलेश मिश्रा उच्चायुक्त मालद्वीव, श्री सौरभ कुमार राजदूत ईरान, श्री इन्द्रमणि पाण्डेय राजदूत ओमान, सुश्री नगमा एम0 मलिक उच्चायुक्त ब्रुनेई दारूसलाम, श्री अनुराग श्रीवास्तव राजदूत ईथोपिया एवं डॉ0 राजेश रंजन उच्चायुक्त बोत्सवाना ने भेंट की। उक्त सभी विदेश सेवा के अधिकारी प्रदेश भ्रमण पर आए हैं तथा विदेशी निवेश की संभावनाओं पर विशिष्ट महानुभावों एवं अधिकारियों से भेंट करके चर्चा करेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री हेमन्त राव, श्री संजय सिंह विशेष सचिव नियुक्ति विभाग उत्तर प्रदेश शासन सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनसंख्या ही प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है। विदेशी निवेश के लिए यहाँ उपलब्ध शिक्षित एवं कुशल मानव संसाधन के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्राहक भी हैं। इस बात को विदेशों में प्रचारित करने से भारत को ग्राहक परक उत्पादन के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वयं लोकसभा में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसके कारण उत्तर प्रदेश का विस्तार हो रहा है। केन्द्र और राज्य सरकार के संयुक्त सहयोग तथा उचित अवस्थापना विकास से विदेशी निवेश आकर्षित किया जा रहा है।

श्री नाईक ने कहा कि गत फरवरी 2018 में राज्य सरकार द्वारा सफल इंवेस्टर्स समिट 2018 का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और समापन राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द ने किया था। प्रदेश की बेहतर कानून व्यवस्था ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है जिसके कारण समिट में 1,090 एम0ओ0यू0 के माध्यम से प्रदेश में रूपये 4.68 लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो प्रशंसनीय है। प्रदेश का हर जिला किसी न किसी उत्पाद के लिए विख्यात है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा, ऊर्जा, अवस्थापना विकास, चिकित्सा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं हैं।

संगठित निर्यात पद्धति से उत्तर प्रदेश को विदेशों में अच्छा बाजार मिल सकता है। प्रदेश के फलों के एक मुख्य उत्पाद आम के निर्यात के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। प्रदेश में पर्यटन विकास की भी असीम संभावनाएं हैं। यहाँ अनेक पर्यटन स्थल हैं जैसे ऐतिहासिक धरोहर की इमारतें, प्रयागराज का संगम, बनारस की गंगा आरती आदि। कुम्भ और अर्द्धकुम्भ के आयोजन को लेकर विदेशी लोगों को भारत आने के लिए बड़ी संख्या में आकर्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को पर्यटन के नक्शे पर विशिष्ट पहचान दिलाने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने विदेश सेवा के अधिकारियों को अपनी पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' , भगवद्गीता एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया।

अंजुम/ललित/राजभवन(256/33)